Government has no plans at present to open such Centres in other regions of the state. However, several Institutions in the State have been assisted for promotion of computer education.

देश के भारी पानी संयंत्रों द्वारा उत्पादन

1408. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :
श्री राम नरेश यादव :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में भारी पानी के कितने संयंत्र कार्यरत हैं और उनकी वार्षिक उत्पादन क्षमता कितनी है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन संयंत्रों ने इनकी स्थापित क्षमता की तुलना में भारी पानी का उत्पादन कितने प्रतिशत रहा है ;

(ग) क्या सरकार ने इन संयंत्रों द्वारा पूरी क्षमता का उपयोग न होने के कारणों की जांच की है ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या सरकार देश की भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये इनकी पूर्ण क्षमता का उपयोग करने को प्राथमिकता देने अथवा नये संयंत्रों की स्थापना करने का विचार रखती है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो. एम.जी.के. मेनन): (क) तथा (ख) इस समय हमारे देश में छः भारी पानी संयंत्र काम कर रहे हैं । इन संयंत्रों की कुल वार्षिक क्षमता 365 मीटरी टन रखी गई है । इनमें उत्पादन की मात्रा मिलने वाली निवेश सामग्री की मात्रा पर आधारित रहती है ।

(ग) इन संयंत्रों में उत्पादन बढ़ाने तथा इनके कार्य-उत्पादन को सुधारने की दृष्टि से अध्ययन निरंतर किये जाते हैं और उन पर कार्यवाई भी साथ-साथ की जाती है ।

(घ) परमाणु बिजली संबंधी कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये ये दोनों ही नीतियां अपनाई जाती हैं ।

Investigation of the Public Servants by C.B.I.

1409. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the CBI has recently investigated into corruption charegs against some of the public servants.

(b) if so, the details thereof and details of the public servants against whom CBI has levelled charges since January, 1990; and

(c) what action Government propose to take against them?

THE PRIME MINISTER (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) During the period from January to March, 1990, 119 cases were taken up by the C.B.I. for investigation against public servants. Department/ Public Sector Undertaking-wise details of public servants against whom the CBI have instituted investigations is enclosed (*See* Statement below.)

(c) Law will take its own course.